सांध्य दैनिक **4PM**

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 266 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार 4 नवम्बर, 2025

मूल्य ₹ 3/-

मैं हमेशा इस बात को स्वीकार करने के लिए तैयार था कि मैं कुछ चीजें नहीं बदल सकता।

-अब्दुल कलाम

ऑलराउंडर्स ने लिखी भारत की... 7 | यूपी में अभी सक्रिय हुए दिग्गज... 3 | भाजपा ने प्रदेश में विकास कार्यों... 2

बिहार चुनाव : एग्जिट पोल को नो इंट्री

चुनाव आयोग ने लगाई पाबंदी, सख्ती से होगी कार्रवाई

- » विपक्ष का दावा महागठबंधन के पक्ष में बह रही है हवा
- » तेजस्वी ने कहा कि घबरा गया है एनडीए
- » चुनाव आयोग कह रहा है कि अफवाहों को रोकने के लिए उठाया कदम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा से जुड़े सभी प्रकार के एग्जिट पोल पर पूर्ण पाबंदी लगा दी है। पाबंदी तब तक रहेगी जब तक नतीजे सामने नहीं आ जाते। सुनने में यह आदेश चुनाव की पवित्रता के लिए है लेकिन सियासी चौपालों में इसका मतलब कुछ और ही निकाला जा रहा है।

महागठबंधन का कहना है कि हवा महागठबंधन की ओर बह रही है और चुनाव आयोग पंखा बंद करने का काम कर रहा है। तेजस्वी यादव ने कहा है कि एनडीए अब डर गया है क्योंकि जनता इस बार नौकरी की उम्मीद में ईवीएम का बटन महागठबंधन के पक्ष में दबाने जा रही है। जबकि चुनाव आयोग का दावा है कि यह फैसला अफवाहों और भ्रामक प्रचार को रोकने के लिए लिया गया है।

हो सकती है जेल और सजा

चुनाव आयोग ने निर्वाचन प्रक्रिया अधिनियम, 1951 की धारा 126 अ के तहत नोटिफिकेशन जारी कर एग्जिट पोल आयोजित करना और उनके परिणामों का प्रचार करने पर 7 नवंबर 2025 सुबह 7 बजे से लेकर 11 नवंबर 2025 शाम साढ़े छह बजे तक

प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया दोनो पर पाबंदी लगा दी है। चुनाव आयोग ने चेतावनी दी है कि धारा 126 का उल्लंघन करने पर दो वर्ष तक की जेल जुर्माना या दोनों की सजा दी जा सकती है।

अफवाहों पर न दें ध्यान

आयोग ने अपने आदेश में कहा है कि यह कदम निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। सभी मीडिया संस्थानों, एजेंसियों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से अनुरोध किया गया है कि वे इस अवधि में एग्जिट पोल के परिणाम साझा न करें। चुनाव आयोग ने मतदाताओं से भी अपील की है कि वे इस दौरान अफवाहों और अटकलों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें।

जनता बोलेगी सर्वे नहीं

तेजस्वी यादव ने चुनावी रैली को संबोधित करते हुए एनडीए को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि बिहार में इस बार जनता का मूड साफ है। लोग नौकरी और सम्मान चाहते हैं। अब सर्वे छुपाने से सच्चाई नहीं बदल जाएगी। उनका कहना है कि जब युवा किसान और मजदूर परिवर्तन के मूड में हैं तो सत्ता चाहती है कि वो लहर स्क्रीन पर दिखाई न दे।

टीवी मीडिया को हो गया नुकसान

एग्जिट पोल बैन का सबसे सीधा असर मीडिया पर पड़ा है। टीवी चैनलों ने पहले से तय सर्वे स्लॉट रोक दिए हैं और राजनीतिक चैनलों पर अब अनुमान की जगह अनुमानबाजी शुरू हो गयी है। लेकिन वहीं सोशल मीडिया पर इसका उल्टा असर दिखा। एक्स, व्हाट्सएप ग्रुप्स और इंस्टाग्राम पेजों पर बिहार एक्जिटपोल और तेजस्वीवेव जैसे हैशटैग ट्रेंड कर रहे हैं। लोग कह रहे हैं चुनाव आयोग ने एग्जिट पोल बंद किया है, लेकिन जनता ने एंट्री पोल शुरू कर दिया है। यानी तकनीकी बैन के बावजूद सियासी चर्चा रुकी नहीं बल्कि अब वह अंडरग्राउंड मूवमेंट की तरह फैल रही है।

बैन को हथियार बना दिया

महागठबंधन ने अब इस बैन को अपने प्रचार हथियार में बदल दिया है। तेजस्वी यादव ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि जब जनता बोलने लगती है तो सत्ता कान बंद कर लेती है। लेकिन बिहार में कान नहीं दीवारें बोलेंगी। कांग्रेस ने भी इसे जनमत की सेंसरशिप बताया है। आरजेडी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए गए हैं कि गांव-गांव जाकर बताएं कि देखो जब हमारे पक्ष में माहौल बना

तो उन्होंने सर्वे बंद करा दिया। यानी आयोग का आदेश विपक्ष के लिए सियासी ऑक्सीजन बन गया है।

243 सीटों पर चुनाव

बिहार की कुल 243 विधानसभा सीटों पर कुल दो चरणों में चुनाव होना है। पहले चरण के लिए 6 नवंबर और दूसरे चरण के लिए 11 नवंबर को वोटिंग होगी। जबकि वोटों की गिनती 14 नवंबर को होगी। पहले फेज में कुल 121 सीटों पर वोटिंग होगी। जिसमें नामांकन की आखिरी डेट 10 अक्टूबर और नामांकन वापस लेने की लास्ट डेट 20 अक्टूबर थी। जबकि पहले फेज के लिए 6 नवंबर को मतदान होगा। वहीं दूसरे के लिए नामांकन की आखिरी तारीफ 20 अक्टूबर और नामांकन वापस लेने की अंतिम तारीख 23 अक्टूबर तय की गई है। जबकि मतदातन 11 नवंबर होगा। दोनों फेज का चुनाव परिणाम 14 नवंबर को घोषित किया जाएगा।

एनडीए की कॉन्फिडेंस लीड खत्म

बिहार में एनडीए के भीतर तनाव की दरारें पहले से दिखायी दे रही हैं। जेडीयू और बीजेपी के बीच सीट बंटवारे पर नाखुशी, लोजपा (पासवान) की बगावत, और सहयोगी दलों की ठंडी सक्रियता इन सबने सत्ता पक्ष की कॉन्फिडेंस लीड को खत्म कर दिया है। वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक डीके त्रिपाठी का कहना है कि बिहार में अभी जो साइलेंस वोटर है वो एनडीए के लिए सबसे बड़ा खतरा है। वह कुछ बोल नहीं रहा लेकिन बटन दबाने जा रहा है तेजस्वी के नाम पर।

भाजपा ने प्रदेश में विकास कार्यों को ठेकेदारी के हवाले किया : शिवपाल

» बोले- सपा में गुटबाजी करने वालों की कोई जगह नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बदायूं। समाजवादी पार्टी के दिग्गज नेता शिवपाल सिंह यादव ने भाजपा सरकार पर कड़ा प्रहार किया। निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा ने प्रदेश में विकास कार्यों को ठेकेदारी के हवाले कर दिया है। अधिकतर काम गुजरात की कंपनियों को दिए जा रहे हैं। जनता के मुद्दे महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार आज भी जस के तस हैं। समाजवादी पार्टी ही जनता को राहत देने में सक्षम है।

बदायूं जिले में समाजवादी पार्टी में संगठनात्मक अनुशासन और एकजुटता को लेकर बड़ा कदम उठाया गया है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने साफ कहा है कि गुटबाजी अब सपा में किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसी क्रम में बदायूं जिले की सभी फ्रंटल इकाइयों को भंग कर दिया गया है, जबकि जिला कार्यकारिणी को भी भंग करते हुए केवल जिलाध्यक्ष को पद पर बनाए रखा गया है। शिवपाल यादव का दो दिवसीय बदायूं दौरा पहले से निर्धारित था। उनके आगमन से दो दिन पहले ही सपा के प्रदेश कार्यालय से आदेश जारी कर सभी फ्रंटल संगठनों युवा सभा, छात्रसभा, महिला सभा, लोहिया वाहिनी और प्रकोष्ठों को तत्काल प्रभाव से भंग करने के निर्देश दिए गए थे। सपा के महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने रविवार को सहसवान पहुंचकर दहगवां चौराहे पर एक होटल व हाल का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर सपा सांसद आदित्य यादव और सहसवान विधायक बृजेश यादव समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व क्षेत्रीय नेता मौजूद रहे।

एकता और जनसमर्थन को बनाए रखें : आदित्य

सभा को संबोधित करते हुए सपा सांसद आदित्य यादव ने कार्यकर्ताओं से कहा कि अब हवा में चुनाव लड़ने का समय नहीं है। गुटबाजी छोड़कर सबको एकजुट होना पड़ेगा। अगर हम एक रहेंगे तो प्रदेश की हर विधानसभा सीट पर समाजवादी पार्टी का परचम लहराएगा। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में जनता ने सपा को भरपूर समर्थन दिया, अब विधानसभा चुनाव में उसी एकता और जनसमर्थन को बनाए रखना है। एक दूसरे की टांग खींचने से संगठन कमजोर होता है, जबकि हमारी ताकत हमारी एकजुटता है।

भाजपा से मिली हुई है बसपा

सहसवान में सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि मायावती पूरी तरह से भाजपा से मिली हैं। जो भाजपा कहती है वह वही करती हैं। पीड़ितों के साथ सपा है, हम सभी को एकत्र कर रहे हैं। इसी से भाजपा बौखलाई हुई है। बीते 2024 के चुनाव में इसका उदाहरण सामने आ चुका है। बोले, बिहार चुनाव में राजद की जीत होगी और तेजस्वी की सरकार बनेगी। कहा कि भाजपा के लोग वोटर लिस्ट में गड़बड़ी करने का काम करते हैं। शिवपाल यादव ने कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य बड़े नेता हैं और वह मेरे मित्र हैं। हालांकि वह कब क्या बोल दें, इसलिए उनकी बात को हम लोग गंभीरता से नहीं लेते हैं। शिवपाल ने कहा कि चुनाव आयोग केंद्र सरकार के दबाव में आए बिना निष्पक्ष चुनाव कराए।

भाजपा के पूर्व मंत्री ने अपनी ही सरकार को घेरा

» आरे के सिंह बोले- एनडीए सरकार में हुआ 62 हजार करोड़ का घोटाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना । बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से दो पहले यानी आज भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद आरके सिंह ने अपनी ही सरकार पर बड़ा आरोप लगा दिया है। यह आरोप भ्रष्टाचार को लेकर लगाया गया है। उन्होंने कहा कि बहुत बड़ा घपला हुआ है।

एनडीए सरकार ने अदाणी समूह के साथ एक एग्रीमेंट साइन किया है। इसमें कहा गया कि 25 साल तक बिहार सरकार 6 रुपये 75 पैसे के हिसाब से अदाणी समूह से पावर खरीदेगी। अदाणी पावर लिमिटेड को जो जमीन दिया गया है और जिस रेट पर बिहार के लोगों को पर यूनिट बिजली मिलेगी में उसमें 62 हजार करोड़ का घोटाला हुआ है। सका खामियाजा सीधे-सीधे बिहार की जनता को भुगतना पड़ेगा। इसमें बिहार सरकार के मंत्री और अधिकारी शामिल हैं। इसकी सीबीआई जांच होनी चाहिए।

सरकार सुरक्षा देने की वजह बताए : आजम खां

» एसटी हसन को उनके मुरादाबाद आने की सूचना नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुरादाबाद। सपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां ने कहा कि सरकार बताए आखिर उन्हें सुरक्षा क्यों दी थी। उनके पास कोई सुरक्षा नहीं है लेकिन जब सुरक्षा दी गई थी तो उन्होंने सरकार से लिखकर पूछा था कि आखिर इसकी क्या वजह है। अगर सुरक्षा दी जा रही है तो पूरी तरह से दी जाए। पूर्व मंत्री मुरादाबाद दौरे पर आए थे।

मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने सियासी तंज भी कसे। उन्होंने कहा कि उन्हें वाई श्रेणी सुरक्षा से ज्यादा कुछ और कहा गया था मगर अब वह इस मामले में कुछ ज्यादा नहीं बोलना चाहते। स्टार प्रचारक बनाए जाने के बावजूद बिहार जाकर प्रचार क्यों नहीं किया इस सवाल के जवाब में पूर्व मंत्री ने कहा कि बिहार में जंगलराज है। ऐसे में वहां अकेले जाना खतरे से खाली नहीं। मगर उन्हें उम्मीद है कि बिहार में जंगलराज का अंत होगा। उन्होंने मीडिया के माध्यम से ही बिहार के लोगों से अपील की। कहा लोकतंत्र को बचाकर रखिए। किसी के बहकावे, जज्बाती नारों या धोखे में मत आइए जब तक इंसानियत जिंदा रहेगी तब तक मुल्क भी महफूज रहेगा। अपने दौरे पर पूर्व मंत्री ने बिलारी विधायक हाजी मो. फहीम, कुंदरकी के पूर्व विधायक हाजी मो. रिजवान, कांठ विधायक कमाल अख्तर और बांग्ला गांव स्थित क्लीनिक में पहुंचे।यहां उन्होंने अपने करीबी लोगों के निधन पर शोक जाहिर किया। इस मौके पर सपा जिलाध्यक्ष जयवीर यादव, पूर्व जिला पंचायत सदस्य हाजी उवैश, मो. फैजान, मो. अजीम, वसीम अहमद, अयाज, शोएब, अब्दुल, हारून पाशा, शाहनवाज हुसैन, राबिल हुसैन और जियाउर रहमान पाशा समेत कई लोग मौजूद रहे।

पूर्व सांसद को नहीं मिली जानकारी

आजम खां के शहर में होने की जानकारी पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन को नहीं मिली। उन्होंने बताया कि आजम खां के दौरे की उन्हें कोई जानकारी नहीं मिली। वह शहर से भी बाहर हैं। मालूम हो कि डॉ. एसटी हसन भी आजम खां के करीबी नेताओं में गिने जाते थे। 2024 के लोकसभा चुनाव में डॉ. एसटी हसन का नामांकन के बाद टिकट कट गया था। इसके बाद से ही वह आजम खां से नाराज चल रहे हैं। हालांकि आजम खां के जेल से रिहा होने के बाद डॉ. एसटी हसन और आजम खां दोनों का लहजा एक दूसरे के लिए नर्म हुआ था। आजम खां ने अपने एक बयान में कहा था कि वह एसटी हसन को उनके घर जाकर मना लेंगे। लेकिन मुरादाबाद दौरे पर आए आजम खां के कार्यक्रम की जानकारी ही पूर्व सांसद को नहीं मिली मुलाकात तो दूर की बात है। इसकी चर्चा सपा कार्यकर्ताओं के बीच भी होती रही।

स्वामी प्रसाद मौर्य तुच्छ व्यक्ति हैं, सिर्फ चर्चा में रहना चाहते हैं: उमा भारती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य के उस बयान पर जोरदार पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने कहा कि जय श्री राम का नारा अब अराजकता फैलाने का लाइसेंस बन गया है। उमा भारती ने कहा कि ऐसे व्यक्ति सिर्फ चर्चाओं में बने रहने के लिए बयान देते हैं। उमा भारती ने कहा कि जिस व्यक्ति का आप नाम ले रहे हैं, वो अपने को चर्चाओं में लाने के लिए यह काम करते हैं। वो बहुत ही तुच्छ व्यक्ति हैं। वो अपने आप को खबर में लाने के लिए बात करते हैं और इससे वो देश का बहुत नुकसान करते हैं।

उमा भारती ने गंगा स्वच्छता श्रद्धा संकल्प अभियान को लेकर कहा कि संगम तट पर पूरे देश के कुछ सीमित संख्या में लोग आएंगे। 3 नवंबर को सामूहिक रूप से गंगा स्नान होगा, फिर उन 50 करोड़ श्रद्धालुओं से अपील करेंगे जो यहां महाकुंभ में स्नान करने आए और खुद को पवित्र करके गए, वो भी बड़ी तपस्या से यहां तक पहुंचे। अब उनको अपील करेंगे कि आप भी अपने-अपने राज्य की तरफ से समूह बनाकर कभी आइए और गंगोत्री से गंगा सागर तक जहां गंगा आपके राज्य के नजदीक पड़े, वहां आएं और एक दिन की स्वच्छता का ऋण चुकाकर जाइए। महिला क्रिकेट विश्व कप में टीम इंडिया की जीत पर उमा भारती ने कहा कि हमें और हमारे देशवासियों को अपनी बेटियों पर गर्व है यह कहना गलत है कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे रह सकती हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

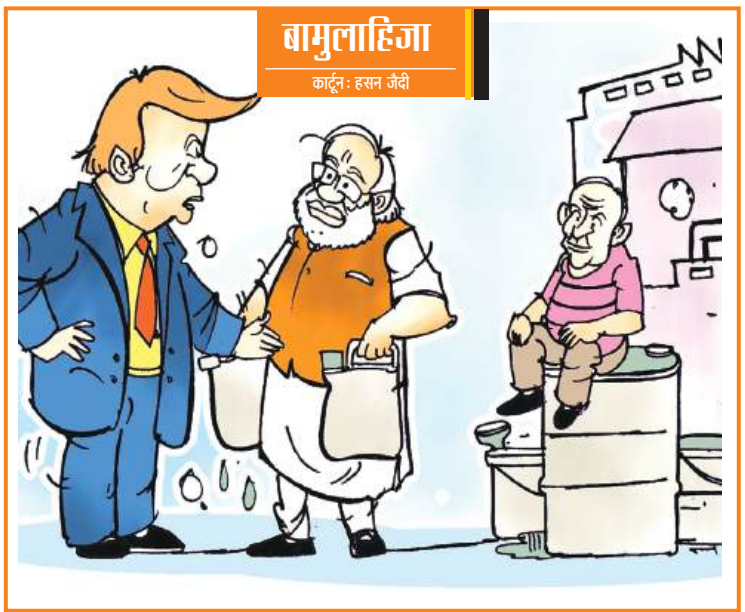

बिहार चुनाव : बसपा दिखाने लगी दम

» आकाश आनंद की जनसभाओं में उमड़ रही भीड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिहार चुनाव में बहुजन समाज पार्टी पूरी मेहनत कर रही है। बसपा प्रमुख के भतीजे आकाश आनंद पूरे धैर्य के साथ चुनावों में प्रचार कर रहे हैं। बता दें पार्टी बिहार में कुछ खोने की स्थिति में नहीं है, जिसे ध्यान में रखकर चुनाव के जरिये संगठन को मजबूत किया जा रहा है।

राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद ने बिहार में अपनी जनसभाओं में विपक्ष के किसी भी बड़े नेता पर सीधा निशाना साधने के बजाय विभिन्न वर्गों को बसपा के पक्ष में एकजुट करने की कवायद कर अपनी राजनीतिक परिपक्वता का परिचय दे रहे हैं। जानकारों की मानें तो बसपा भले ही बिहार में सरकार बनाने का दावा कर रही हो, लेकिन उसकी कोशिश करीब आधा दर्जन सीटों पर जीत हासिल करने की है। यही वजह है कि पार्टी ने बिहार में प्रत्याशियों के चयन में अपने पुराने सोशल इंजीनियरिंग के फॉर्मूले को अपनाने के साथ पुराने प्रत्याशियों और लोकप्रिय चेहरों को चुना है। आकाश आनंद जहां बिहार में ताबड़तोड़ जनसभाएं कर पार्टी के लिए वोट जुटा रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर बसपा अध्यक्ष मायावती के मुस्लिम कार्ड का असर भी बिहार चुनाव में देखने को मिल सकता है। जिस तरह मायावती ने मुस्लिम समाज का खुलकर समर्थन किया है।

मायावती भी रैली में ठोंकेंगी ताल

बसपा प्रत्याशियों की नजर अब 6 नवंबर को कैमूर जिले के भभुआ एयरपोर्ट मैदान पर होने वाली मायावती की रैली पर टिकी है, जिसमें वह बिहार की जनता के लिए कुछ अहम घोषणाएं कर सकती हैं। रैली में कई सीटों पर चुनाव लड़ रहे बसपा के प्रत्याशी मौजूद रहेंगे। बता दें कि कई प्रत्याशियों ने मायावती की रैली आयोजित करने की मांग की थी, जिसके बाद मायावती ने बिहार में प्रचार करने का फैसला लिया है।

यूपी में अभी सक्रिय हुए दिग्गज, 27 विधानसभा चुनाव पर सभी की नजर

आजम खां से मिलीं सपा सांसद इकरा हसन

» सपा पीडीए व भाजपा हिंदुत्व पर अड़ा

» बसपा पिछड़ों के करीब आने की जुगत में

» मायावती बोलीं- अपर कास्ट राजनीतिक रूप से मजबूत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में विधान सभा चुनाव में अभी दो साल हैं पर यहां की राजनीति 25 में ही सजने लगी है। सपा नेता आजम खान के जेल से बाहर आने बाद से सियासी सरगर्मी बढ़ गई है। वहीं मायावती के फिर सक्रिय होने से सपा व कांग्रेस की नींदं उड़ी है तो भाजपा खुश है। समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन अपने भाई नाहिद हसन के साथ रामपुर पहुंची।

उधर सपा पीडीए व भाजपा हिंदुत्व पर अड़ा है। उन्होंने पार्टी नेता आजम खां से मुलाकात की। इकरा हसन ने सपा नेता की पत्नी डा. तजीन फात्मा से भी मुलाकात की। बाद में उन्होंने मीडिया से कहा कि यह मुलाकात सियासी नहीं बल्कि पारिवारिक मुलाकात है। सपा की सांसद इकरा हसन ने अपने भाई नाहिद हसन के साथ मिलकर सपा नेता आजम खां से मुलाकात की। उन्होंने इस मुलाकात को सियासत से हटकर पारिवारिक बताया। उन्होंने बिहार चुनाव को लेकर कहा कि बिहार में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी।

आजम से मिलने पहुंचे इरफान सोलंकी व नसीम सोलंकी

इससे पहले, 29 अक्टूबर को रामपुर में सपा नेता आजम खां से मुलाकात करने के लिए कानपुर नगर की सीसामऊ विधानसभा सीट से पूर्व विधायक इरफान सोलंकी अपनी विधायक पत्नी नसीम सोलंकी के साथ उनके आवास पर पहुंचे। उन्होंने यहां पहुंचकर घंटे भर मुलाकात की। इस दौरान सपा नेता ने उनका हाल जाना। सियासी घटनाक्रम व ताजा हालात पर भी चर्चा की। बाद में इरफान सोलंकी ने मीडिया से भी बात की। कहा कि यह मुलाकात उनकी सियासी नहीं बल्कि निजी मुलाकात है। सपा नेता आजम खां उनके पिता के समान हैं। कहा कि उनके खिलाफ भी मुकदमे दर्ज हैं वह भी जेल में थे। सपा नेता पर दर्ज मुकदमे सियासी मुकदमे हैं। कहा कि यह जो हो रहा है कि जनता सब जानती है। जनता सही समय आने पर जवाब देगी।

आजम बोले- बकरी चोरी हुई तो बरामद क्यों नहीं हुई

29 अक्टूबर को सपा नेता आजम खां ने अपने ऊपर पर दर्ज मामले में फिर से सफाई पेश की। कहा कि यदि बकरी चोरी हुई तो बरामद क्यो नहीं हुई। कहा कि उन पर दर्ज मुकदमें पूरी तरह फर्जी हैं। कोर्ट में पेश होने के बाद सपा नेता आजम खां मीडिया से रूबरू हुए। इस दौरान उन्होंने अपने ऊपर पर दर्ज बकरी व भैंस चोरी के मामलों का जिक्र किया। कहा कि उनके खिलाफ ऐसे मामले दर्ज किए गए जो सत्य से परे हैं। यतीमखाना बस्ती मामला हो या फिर डूंगरपुर केस। सरकारी कॉलोनी बन गई, जिसके तीन साल बाद मुकदमे दर्ज किए गए। बकरी चोरी, भैंस चोरी ही नहीं बल्कि लूट व डकैती जैसे मामले दर्ज किए गए हैं,जहां चोरी का मामला दर्ज होना चाहिए था,वहां लूट व डकैती का मामला दर्ज किया गया। इससे साफ हो जाता है कि उनके खिलाफ क्या चल रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब बकरी व भैंस चोरी हो गई तो बरामद क्यों नहीं की गई।

आजम खां से मिलने वालों का सिलसिला लगातार जारी

सपा नेता आजम खां से मिलने वालों का सिलसिला लगातार जारी है। इसी क्रम में शुक्रवार की रात में कैराना की सपा सांसद इकरा हसन अपने भाई नाहिद हसन के साथ सपा नेता आजम खां से मुलाकात करने पहुंचीं, जहां उन्होंने करीब डेढ़ घंटे तक मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सपा नेता के स्वास्थ्य की जानकारी ली। इकरा हसन ने सपा नेता की पत्नी डा. तजीन फात्मा से भी मुलाकात की। बाद में उन्होंने मीडिया से कहा कि यह मुलाकात सियासी नहीं बल्कि पारिवारिक मुलाकात है। वह सपा नेता का हाल जानने के लिए आई थीं। बिहार चुनाव इंडिया गठबंधन के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसलिए इस चुनाव में इंडिया गठबंधन को सफलता मिलेगी। इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। वह खुद भी प्रचार के लिए जा रही हैं।

भाजपा से मिली हुई हैं मायावती : शिवपाल सिंह

सहसवान में सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि मायावती पूरी तरह से भाजपा से मिली हैं। जो भाजपा कहती है वह वही करती हैं। पीड़ितों के साथ सपा है, हम सभी को एकत्र कर रहे हैं। इसी से भाजपा बौखलाई हुई है। बीते 2024 के चुनाव में इसका उदाहरण सामने आ चुका है। बोले, बिहार चुनाव में राजद की जीत होगी और तेजस्वी की सरकार बनेगी। कहा कि भाजपा के लोग वोटर लिस्ट में गड़बड़ी करने का काम करते हैं। शिवपाल यादव ने कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य बड़े नेता हैं और वह मेरे मित्र हैं। हालांकि वह कब क्या बोल दें, इसलिए उनकी बात को हम लोग गंभीरता से नहीं लेते हैं। शिवपाल ने कहा कि चुनाव आयोग केंद्र सरकार के दबाव में आए बिना निष्पक्ष चुनाव कराए।

मायावती ने पिछड़ा वर्ग समाज का सहयोग मांगा

मायावती की बैठकों का दौर जारी है। पिछड़ा वर्ग भाईचारा संगठन की अहम बैठक की। इसमें पिछड़ा वर्ग समाज को जोड़ने की रणनीति तय की गई। लखनऊ में बसपा अध्यक्ष मायावती ने पिछड़ा वर्ग समाज के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने उनका आर्थिक सहयोग और वोट का सहयोग मांगा। बैठक में कहा कि अपर कास्ट राजनीतिक रूप से मजबूत है। लिहाजा वह अपना हित देख खुद बसपा से जुड़ जाएगा। ओबीसी समाज बसपा के बैनर तले सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्त करने के लिए जितनी जल्दी संगठित होगा। उनके अच्छे दिन उतनी जल्दी आएंगे। बसपा सुप्रीमो ने संगठन की जिलावार प्रगति रिपोर्ट लेने के बाद कहा, ओबीसी समाज विभिन्न जातियों में टूटा व बिखरे है। इनमें से कुछ के अलग से पार्टी व संगठन आदि बनाने के कारण इनकी एकता व एकजुटता प्रभावित है। जिसका लाभ जातिवादी पार्टियां चुनाव में उठाती रहती हैं। बसपा जाति के आधार पर सदियों से सताए जा रहे इन लोगों को 'बहुजन समाज' से जोड़कर अत्याचार से मुक्ति दिलाने के लिए संघर्षरत है, जो कि देश के लोकतंत्र की सुरक्षा तथा देशहित में भी जरूरी है।

सबका बने वोटर कार्ड

बसपा सुप्रीमो ने चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की गाइडलाइन को पूरा करने को कहा, ताकि सभी मतदाताओं का वोटर कार्ड बनवाया जा सके। वहीं, अपर कास्ट के बारे में कहा कि यह समाज राजनीतिक तौर पर जागरूक हो चुका है। इनको जोड़ने के लिए अलग से भाईचारा संगठन बनाने की जरूरत नहीं है। यह समाज बसपा में अपना हित सुरक्षित होते देखकर खुद ही पार्टी से जुड़ जाएगा।

बसपा की बामसेफ ही असली

उन्होंने बामसेफ के बारे में फैलाई जा रही भ्रांतियों को दूर करने के उद्देश्य से कहा कि यह राजनीतिक संगठन या पार्टी नहीं, बल्कि पढ़े-लिखे कर्मचारियों का एक सामाजिक संगठन है, जिनका प्रमुख कार्य अपनी सुविधानुसार बहुजन समाज के लोगों में सामाजिक चेतना पैदा करना है। सबसे पहले इस संगठन (बामसेफ) की कांशीराम ने स्थापना की थी, जो पंजीकृत नहीं है। यही असली बामसेफ भी है। इस संगठन के लोग मुझसे मिलकर अपनी इस जिम्मेदारी को निभाते रहते है। अनेकों बनी पंजीकृत बामसेफ स्वार्थी व अवसरवादी लोगों की है, जिनसे कांशीराम ने अपने जीते-जी हमेशा सतर्क रहने की सलाह दी थी। ऐसे में इनकी अलग बैठक बुलाने की जरूरत नहीं पड़ती है।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

छोटे बच्चों में गुस्सा एक गंभीर समस्या

आजकल छोटे बच्चों में गुस्सा देखने को मिल रहा है। इस समस्या से जहां पूरी दुनिया परेशान है। पर ये दिक्कत भारतीय बच्चों में तेजी से आ रही है। मनोवैज्ञानिकों का मानना है। इससे बचाने की जिम्मेदारी माता-पिता की है। कुछ उपायों से बच्चों को शांत रखा जा सकता है। जैसे बच्चों के गुस्से को शांत करने के लिए गहरी सांस लेने की तकनीक सिखाएं। उनके ध्यान को किसी और गतिविधि में भटकाएं। उनके साथ बातचीत करके भावनाओं को समझें। बच्चों के अच्छे व्यवहार की सराहना करें। स्क्रीन टाइम को सीमित करने से भी मदद मिलती है। बच्चे गुस्सा करते हैं तो उन्हें बार-बार टोके नहीं। उनके साथ मित्रवत व्यवहार करें। जब बच्चा गुस्सा हो तो उसे कुछ मत बोलो। बच्चों को थोड़ी देर चुपचाप घूर कर देखने से वह समझ जाएगा और शांत हो जाएगा।

बच्चों की छोटी छोटी बातों पर गुस्सा होने की वजह का अभिभावकों को पता करना चाहिए। उनकी बातें तसल्ली से सुने और अच्छे से बातें करें। बच्चें गुस्सा किसी डर के कारण करते हैं। बिना दबाव के उनकी दिनचर्या बढ़िया बनाए। इन सबको करने से बच्चों के बात बात पर गुस्से होने को कम किया जा सकता है। बच्चों के बार-बार गुस्सा करने पर बच्चे को डांटने या मारने की बजाय प्यार और धैर्य से समझाएं। गुस्सा होने के कारणों को जान कर बच्चों की अतिरिक्त ऊर्जा को खेल कूद, दौड़, योग, साइक्लिंग, पेंटिंग या अन्य रचनात्मक गतिविधियों में लगाएं।बच्चों के गुस्से को नियंत्रित करने के लिए उन्हें शांत वातावरण में अपनी भावनाओं को व्यक्त करने दें। साथ ही उन्हें मनोरंजन और खेलकूद के साधन उपलब्ध करवाए जाने चाहिए। गहरी सांस लेने जैसी तकनीकें सिखाएं और रचनात्मक क्रियाकलापों में व्यस्त रखें। पर्याप्त मात्रा में नींद लेना भी जरूरी है। परिवार के साथ नियमित बातचीत और अच्छे संस्कार गुस्सा नियंत्रण की नींव मजबूत करते हैं। हर मांग पूरी करने की बजाय बच्चों को इंतजार करना सिखाएं। समय पर नींद और बाहर खेलने से बच्चा स्वाभाविक रूप से शांत होता है। स्थिति बार-बार बिगड़े तो विशेषज्ञ की सलाह लेना माता-पिता की जिम्मेदारी है। अगर थोड़ा सा भी हम सजग होकर बच्चों पर ध्यान दें दें तो उन्हें गुस्से से बचा सकतें हैं और एक अच्छे समाज का निमार्ण भी कर सकते हैं। इसमें समाज व सरकार सभी की साझेदारी आवश्यक है।

“ बच्चे गुस्सा करते हैं तो उन्हें बार-बार टोके नहीं। उनके साथ मित्रवत व्यवहार करें। जब बच्चा गुस्सा हो तो उसे कुछ मत बोलो। बच्चों को थोड़ी देर चुपचाप घूर कर देखने से वह समझ जाएगा और शांत हो जाएगा। बच्चों की छोटी छोटी बातों पर गुस्सा होने की वजह का अभिभावकों को पता करना चाहिए। उनकी बातें तसल्ली से सुने और अच्छे से बातें करें। बच्चें गुस्सा किसी डर के कारण करते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

महिला वोटरों पर निर्भर है जीत-हार का फैक्टर

डॉ. रमेश ठाकुर

बीते कुछ दशकों से बिहार की आधी आबादी पुरुष मतदाताओं के मुकाबले सर्वाधिक मतदान कर रही हैं। अपने बूते जिसे चाहें उसे सत्ता सौंपने का मादा रखती हैं। हालिया, कुछ चुनावी सर्वेक्षण रिपोर्टस संकेत इस बार भी ऐसे ही दिखा रही हैं। सर्वे बताते हैं कि बिहार चुनाव में महिलाएं लैंगिक सियासत की बदलती गतिशीलता की नई तस्वीर पेश करेंगी। हिंदी पट्टी वाले राज्यों में चुनावी समर में पुरूषों के मुकाबले महिला ज्यादा बढ़चढ़ कर हिस्सा लेती हैं जिनमें बिहार सबसे अव्वल है। चुनाव चाहे सांसदी के हों या विधानसभा के या फिर पंचायत के, सभी में महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत सर्वाधिक रहा है। पूर्व के इन आंकड़ों को देखते हुए जारी बिहार चुनाव में तकरीबन सभी सियासी दल महिला वोटरों पर ही ज्यादा दांव लगा रहे हैं। इतना तय है कि महिलाएं इस बार चुनावी गच्चा खाने के मूड में हैं नहीं? झूठे वादों में नहीं फंसेगी।

पिछले चुनाव में एनडीए के खाते में 40 फीसदी वोट पड़ने वाला समूह शांत दिखाई पड़ता है। चुनावी वायदों को महिलाएं अपने नजरिए से परख रही हैं। बिहार के चुनावी उत्सव में चाहे महिला वोटर हों या विधायक? एकाध दशकों में इनकी भागेदारी सरकारों में भी रही हैं। विधानसभा-2020 में महिला उम्मीदवारों ने रामनगर, धमदाहा, प्राणपुर, कोढ़ा, गौराबौराम, गोपालगंज, राजापाकर, महनार, कटोरिया, मोकामा, मसौढ़ी, संदेश, नोखा, नरकटियागंज, बेतिया, केसरिया, परिहार, बाबूबरही, फुलपरास, त्रिवेणीगंज, शेरघाटी, बाराट्टी, हिसुआ, बारसलीगंज और जमुई में विजयी पताका लहराया था। महिलाओं के लिए मौजूदा विधानसभा-2025 चुनाव यह निर्धारित करेगा कि जनकल्याण के माध्यम से सशक्तीकरण वास्तिव स्वायत्ता में तब्दील होता है या सिर्फ चुनावी सुविधा ही बनकर रह जाएगा। पिछले आंकड़ों को देखकर भाजपा का पूरा फोकस महिलाओं पर है। तभी, तो उन्होंने चुनाव तारीखों की घोषणा से पूर्व ही 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार' स्कीम के तहत लगभग 75 लाख महिलाओं के बैंक खातों में दस-दस हजार रूपए की नगद धनराशि पहले ही भेज दी हैं।

पैसा पाकर महिलाएं खुश जरूर हैं, लेकिन इस बात की गारंटी नहीं की वह 'नोट के बदले वोट' देंगी या नहीं? इस स्कीम पर महिलाओं को संशय इसलिए है कि ये घोषणा नीतीश कुमार ने नहीं, बल्कि दिल्ली से प्रधानमंत्री द्वारा हुई। क्योंकि दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी

एक घोषणा उन्हीं के द्वारा की गई थी, जो अभी तक लागू नहीं हुई है। इन सभी तथ्यों की समीक्षाएं महिलाएं इस बार कर रही हैं। महिला वोटरों को रिझाने में कोई भी सियासी दल पीछे नहीं हैं? जबकि, बिहार में दूसरा सबसे मजबूत दल आरजेडी ने तो प्रत्येक परिवार के एक-एक सदस्य को नौकरी देने की भी घोषणा की है। कुल मिलाकर, बिहार का मौजूदा चुनावी गणित आधी आबादी के ईद-गिर्द ही घूम रहा है। चुनाव आयोग के मुताबिक बिहार में 100 में 48 फीसदी वोटर आंकड़ा महिलाओं का है। पिछले चुनाव में रिकॉर्ड 40 फीसदी मतदान महिलाओं ने एनडीए के पक्ष में किया था। इतनी वोटिंग इस बार भी जिस दल के पक्ष में होगी, वही बाजी मारेगा। हालांकि पिछले विधानसभा-2020 के चुनाव में जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शराबबंदी का ऐलान किया था। तो उस ऐलान को महिलाओं ने हाथों-हाथ लिया था। वोटरों के अलावा उम्मीदवार के तौर भी दर्जनों महिला इस बार भी मैदान में हैं। 11 विधानसभाओं में 10 पुरुष वोटरों की तुलना में 9 महिला मतदाता हैं। 11 विधानसभा क्षेत्रों से ही लिंगानुपात ठीक होने पर महिला विधायक निर्वाचित हुई जिनमें त्रिवेणीगंज, धमदाहा, कोढ़ा, राजापाकर, कटोरिया, संदेश, शेरघाटी, बाराचट्टी, हिसुआ, वारसलिगंज और जमुई विधानसभा शामिल हैं। विधानसभा चुनाव-2020 में एनडीए के लिए शराबबंदी का वादा तुरुप का पत्ता साबित हुआ था। महिलाओं ने खुलकर जेडीयू का समर्थन किया था। हालांकि वह वादा धरातल पर उतना कारगर साबित नहीं हुआ, जितने की उम्मीद महिलाएं लगाकर बैठी थीं। क्योंकि लोग शराब अब पी रहे हैं। ऐसा भी नहीं हुआ कि शराबबंदी के बाद बिहार में शराब का कहीं कोई टोटा दिखा हो।

जितनी चाहो उतनी शराब तस्कर शराब मुहैया करवा देते हैं। चोरी छिपे धड़ल्ले से शराब की तस्करी जोरों पर है। शराबबंदी में शराब माफिया चांदी काट रहे हैं। प्रशासनिक मिलीभगत से अवैध शराब का धंदा खूब फलफूल रहा है। इसलिए इस बार महिलाओं का रुझान नीतीश के पक्ष में एकतरफा नहीं दिखाई देता। किधर मूव करेगा, ये भी कहना जल्दबाजी होगा। युवा आबादी तेजस्वी की ओर आकर्षित है, ऐसी तस्वीर उनकी रैलियों में भारी मात्रा में उमड़ती भीड़ बताती है। महिलाएं निर्णायक भूमिका में होंगी, ये बात नीतीश से लेकर प्रधानमंत्री, तेजस्वी भी जानते हैं। गुजरे 20 वर्षों से कुर्सी पर बैठे नीतीश कुमार को बदलकर नया चेहरा लाने को भी महिलाएं आतूर दिखती हैं।

चौथाई सदी में कितना बदला धान का कटोरा

उमेश चतुर्वेदी

इक्कीसवीं सदी की आहट सुनाई देने लगी थी, उन दिनों इन पंक्तियों का लेखक मध्य प्रदेश-राजस्थान के एक बड़े अखबार का दिल्ली में संवाददाता था। उस दिन खबरों का सूखा था, उसे दूर करने की नीयत से इन पंक्तियों का लेखक धरनों के लिए विख्यात जंतर-मंतर पर जा पहुंचा। वहां जाकर देखा, मध्य प्रदेश से अलग करके छत्तीसगढ़ राज्य बनाने की मांग को लेकर साधारण-सा व्यक्ति धरने पर बैठा था। साथ में गिनती के विश्वासपात्र ही बैठे थे, पता चला कि धरनारत उस व्यक्ति के पास खाने तक के पैसे नहीं थे। उनसे पता चली कि रात को रोजाना अपनी क्षुधा शांत करने के लिए पास ही स्थित गुरूद्वारा बंगला साहिब या फिर रकाब जाते और वहां के लंगर से अपनी भूख शांत करते थे। उनके साथियों का भी यही हाल था। वनोपज और प्राकृतिक संसाधनों से युक्त राज्य का धरना और उसे सहारा लंगर का.. मर्म को छूने वाली वह खबर थी, खबर लिखी भी, 'लंगर के सहारे चलता अलग राज्य का धरना'। खबर छपते ही रायपुर और उसके आस-पास हलचल मच गई।

तब आज की तरह फोन नहीं थे लेकिन लोग उस धरना देने वाले व्यक्ति का पता पूछने और उन तक अपनी श्रद्धा रकम पहुंचाने की जैसे होड़ लग गई। एक नवंबर के दिन छत्तीसगढ़ की उम्र चौथाई सदी पूरी कर चुकी है। इस राज्य के जन्म के लिए धरनारत रहे उस व्यक्ति का नाम लोग भूल चुके हैं। राजनेताओं की लंबी फेहरिस्त राजनीतिक क्षितिज पर अपनी अच्छी-बुरी उपलब्धियों के साथ चमक रही है। लेकिन दाऊ आनंद अग्रवाल का संघर्ष कहीं खो गया है। पता नहीं छत्तीसगढ़ के लोगों, विशेषकर प्रबुद्ध लोगों को उनका नाम याद है भी या नहीं। उन दिनों छत्तीसगढ़ के एक प्रमुख दैनिक के दिल्ली ब्यूरो प्रमुख रहे विनोद वर्मा बताते हैं कि दाऊ के एक वक्त का भोजन अखबारों के प्रमुख दफ्तर आईएनएस बिल्डिंग की कैंटीन में होता था जिसका खर्च विनोद वर्मा उठाते थे।

यहां बता दें कि विनोद वर्मा बाद के दिनों में छत्तीसगढ़ के कांग्रेसी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के राजनीतिक सलाहकार रहे। आनंद अग्रवाल को ही क्यों, बहुत लोगों को पवन दीवान की भी याद नहीं होगी। पवन दीवान बुनियादी रूप से समाजवादी नेता थे। यह बात और है कि उन्होंने बाद में राजनीतिक दलों में खूब आवाजाही की। कभी बीजेपी के कमलधारक बने तो कभी कांग्रेस के हाथ का साथ लिया। लेकिन छत्तीसगढ़ को अलग राज्य बनाने के लिए बड़ा आंदोलन उन्होंने किया था। दिल्ली के जंतर-मंतर पर उन्होंने बड़ा प्रदर्शन भी किया था। छत्तीसगढ़ अब अलग राज्य के रूप में फल-फूल रहा है। लेकिन उसे मध्य प्रदेश से अलग राज्य बनाने की पहली बार ठोस मांग करने वाले खूबचंद बघेल के नाम को कितने लोग याद करते हैं, पता नहीं। पिछली सदी के साठ के दशक के आखिरी वर्षों में उन्होंने छत्तीसगढ़ भ्रातृ संघ बनाया था और अलग राज्य की उन्होंने मांग को पहली बार ताकतवर सुर दिया था। जिन्होंने भी छत्तीसगढ़ को अलग राज्य बनाने की मांग रखी, उनकी मांग का आधार था छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक संसाधन, वनोपज और खूबसूरत नजारे।

सबका मानना था कि अपने प्राकृतिक सौंदर्य, वनोपज और खनिजों की वजह से छत्तीसगढ़ कहीं ज्यादा समृद्ध है, लेकिन उसका फायदा उसके निवासियों को नहीं मिल रहा है। उस पर कब्जा राज्य के दूसरे इलाके के लोगों और राजनीतिक वर्चस्व वाली ताकतों को मिल रहा है। वैसे छत्तीसगढ़ को अलग राज्य बनाने की मांग 1924 में रायपुर में हुई थी। लेकिन तब देश गुलाम था, अंग्रेजी दासतां से मुक्ति तब पहला उद्देश्य था। लिहाजा यह मांग सिरे से परवान नहीं चढ़ पाई। दिलचस्प यह है कि जिन्होंने अलग राज्य की मांग रखी, राजनीतिक रूप से उनका आज कोई अस्तित्व ही नहीं है। इसे बिडंबना कहें कि कुछ और, यह स्थिति छत्तीसगढ़ के साथ बने उत्तराखंड राज्य की भी है। उत्तराखंड को उत्तर प्रदेश से अलग राज्य बनाने की मांग को लेकर सबसे जोरदार आंदोलन उत्तराखंड क्रांति दल ने चलाया, उसकी कीमत भी चुकाई। मुजफ्फरनगर कांड उस कीमत की चरम परिणति कही जा सकती है। लेकिन उत्तराखंड में आज उत्तराखंड क्रांति दल हाशिए पर है। छत्तीसगढ़ से जुड़ा एक और वाकया याद आ रहा है। छत्तीसगढ़ में पहली बार विधानसभा चुनाव 2003 में हो रहा था। उसकी तैयारी भारतीय जनता पार्टी ने एक साल पहले ही शुरू कर दी थी। उन दिनों केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी की अगुआई में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार थी।

उस सरकार में रमन सिंह इस्पात राज्य मंत्री थे। बीजेपी ने तय किया कि उन्हें चुनावी तैयारी के लिए छत्तीसगढ़ भेजा जाए। रमन सिंह छत्तीसगढ़ जाना नहीं चाहते थे। दिल्ली के ललित होटल के एक कार्यक्रम में दबी जुबान से बीजेपी के इस फैसले का विरोध भी जताया था। शायद उन्हें अपने भावी किस्मत का पता नहीं था। भारी मन से वे छत्तीसगढ़ गए, लेकिन विधानसभा चुनावों में उनकी अगुआई में भारी जीत मिली। मुख्यमंत्री बने और लगातार तीन कार्यकाल तक मुख्यमंत्री रहने का उन्हें स्वर्णिम मौका मिला। छत्तीसगढ़ ने तब से लेकर अब तक लंबी यात्रा कर ली है। छत्तीसगढ़ की पच्चीस साल की इस यात्रा में सत्रह साल तक बीजेपी का शासन रहा है, जबकि महज आठ साल कांग्रेस की सरकार रही। छत्तीसगढ़ जब अलग हुआ था तो उसका बजट महज पांच हजार सात सौ करोड़ का था। आज राज्य का बजट एक लाख 65 हजार सौ करोड़ तक पहुंच गया है।

गुरु पर्व

इस दिन क्या करते हैं लोग

गुरु नानक जयंती के अवसर पर, लोग अपने घरों में गुरु नानक देव जी की तस्वीर के सामने दीये जलाते हैं और उनकी शिक्षाओं को याद करते हैं। वे अपने परिवार और दोस्तों के साथ मिलकर गुरुद्वारे में जाते हैं और गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं पर आधारित कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। इसके साथ ही इस दिन जगह-जगह पर लंगर को आयोजन भी किया जाता है। तो वहीं कई लोग गुरु नानक जयंती पर अखंड पाठ भी कराते हैं।

नानक नाम जहाज है जो जपे वो तर जाए

सिख धर्म के पहले गुरु श्री नानक देव जी की जयंती के रूप में मनाई जाती है। यह त्योहार हर साल कार्तिक मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। गुरु नानक जयंती का त्योहार सिख धर्म के लोग बेहद धूमधाम से मनाते हैं। इस दिन गुरुद्वारों को रोशनी से सजाया जाता है, प्रभात फेरी निकाली जाती है, इस दिन सिख लोग गुरुद्वारे जाते हैं और कीर्तन में शामिल होते हैं। गुरु नानक देव ने समाज की बुराइयों को दूर करने और लोगों के बीच भाईचारे को बढ़ाने का प्रयास किया। उन्होंने गुरु परंपरा की शुरूआत की और सिख धर्म की स्थापना की। कहते हैं इस दिन सच्चे मन से गुरु नानक जी का ध्यान कर उनका स्मरण करने से मन को शांति प्राप्त होती है। साथ ही मन्नतें अवश्य पूरी होती हैं। श्री गुरु नानक देव जी ने समाज से अज्ञानता को भगाने के लिए ज्ञान का प्रकाश किया, इसलिए गुरु नानक देव जी की जयंती को प्रकाश पर्व भी कहा जाता है। नानक देव जी की जयंती को गुरु पर्व भी कहा जाता है।

नानक जी की महत्वपूर्ण बातें

गुरु नानक देव जी ने महत्वपूर्ण बातें बताईं हैं जिसका प्रत्येक सिख परिवार को अनुसरण करना जरूरी है। हर सिख को नाम जप करना, कीरत करना और वंड चखना आवश्यक है। हर दिन आप अपने वाहेगुरु के नाम का स्मरण करें। ईश्वर का नाम लें। ईमानदारी और मेहनत से अपना काम करें और सत्य के पथ पर चलें। आप ने जो कुछ भी हासिल किया है, उसका मिल बांटकर आनंद लें। अपनी कमाई का एक हिस्सा गरीबों को दान या सामाजिक उत्थान में लगाएं। उन्होंने मानवता के लिए समानता, प्रेम और सेवा का संदेश दिया।

कब है जयंती

इस साल गुरु नानक जयंती 5 नवंबर दिन बुधवार को मनाई जाएगी। पंचांग के आधार पर देखें तो इस वर्ष कार्तिक पूर्णिमा तिथि 4 नवम्बर मंगलवार को 10 :36 पीएम पर शुरू होगी और इस तिथि की समाप्ति 5नवम्बर को 06 :48 पीएम होगी। इस वर्ष गुरु नानक देव जी की 556वीं जयंती है। नानक देव जी के पिता मेहता कालूचंद और माता तृप्ता देवी थीं। उनकी पत्नी का नाम सुलक्षिनी, पुत्र श्रीचंद और लक्ष्मीदास थे। नानक देव की बहन का नाम नानकी था। नानक देव का निधन सन 1539 में पाकिस्तान के करतारपुर में हुआ था। गुरु नानक देव जी ने एक ओंकार का संदेश दिया, जिसका अर्थ है कि ईश्वर एक है।

कब हुआ था जन्म

गुरु नानक देव का जन्म 15 अप्रैल 1469 में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के तलवंडी नामक गांव में हुआ था, आज उस स्थान को श्री ननकाना साहिब के नाम से जाना जाता है। यह सिखों के लिए सबसे महत्वपूर्ण और आस्था का स्थान है। सिख धर्म के संस्थापक और पहले गुरु नानक देव जी का जन्म कार्तिक पूर्णिमा के दिन हुआ था। हर साल कार्तिक पूर्णिमा तिथि को गुरु नानक जयंती मनाई जाती है। गुरु नानक जयंती को गुरु पर्व या नानक देव का प्रकाश पर्व भी कहते हैं। गुरु नानक जयंती दिवाली के 15 दिनों के बाद मनाई जाती है। गुरु नानक जयंती सिखों के लिए सबसे बड़ा पर्व है।

हंसना मना है

संजना तीसरी बार ड्राइविंग लाइसेंस का इंटरव्यू देने पहुंची, ऑफीसर- अगर एक तरफ आपके पति हो और दूसरी तरफ आपका भाई हो तो आप किसको मारोगी? संजना-पति, आफिसर- अरे मैडम आपको तीसरी बार बता रहा हूं की आप ब्रेक मारोगी?

कंप्यूटर इंजीनियरिंग की लड़की को किसी लड़के ने छेड़ा, उसका गुस्सा ऐसे निकला- अरे ओ पेन ड्राइव के ढक्कन, पैदाइशी इरर, वाईरस के बच्चे, E&cel की Corrupt File, ऐसा Click मारूंगी कि जमीन से Delete हो कर कब्र में Install हो जायेगा! समझे?

जब एक लड़की लड़के से क्लास में एक पेन मांगती है तो.. लड़का- कौनसा दूं? ब्लु, ब्लैक, रेड, ग्रीन? और जब एक दोस्त मांगे तब, लड़का- हट लड़की देखने आता है स्कूल में बिना पेन के?

एक आदमी खड़े-खड़े चाबी से अपना कान खुजा रहा था.. दूसरा व्यक्ति उसे गौर से देखता हुए बोला- भाई साहब, आप स्टार्ट नहीं हो रहे, तो मैं धक्का लगाऊं?

कहानी — शेर और सियार

एक बार की बात है सुंदरवन नाम के जंगल में बलवान शेर रहा करता था। शेर रोज शिकार करने के लिए नदी के किनारे जाया करता था। एक दिन जब नदी के किनारे से शेर लौट रहा था, तो उसे रास्ते में सियार दिखाई दिया। शेर जैसे ही सियार के पास पहुंचा, सियार शेर के कदमों में लेट गया। शेर ने पूछा अरे भाई! तुम ये क्या कर रहे हो। सियार बोला, आप बहुत महान हैं, आप जंगल के राजा हैं, मुझे अपना सेवक बना लीजिए। मैं पूरी लगन और निष्ठा से आपकी सेवा करूंगा। इसके बदले में आपके शिकार में से जो कुछ भी बचेगा मैं वो खा लिया करूंगा। शेर ने उसे अपना सेवक बना लिया। अब शेर जब भी शिकार करने जाता, तब सियार भी उसके साथ चलता था। इस तरह साथ समय बिताने से दोनों के बीच बहुत अच्छी दोस्ती हो गई। सियार, शेर के शिकार का बचा खुचा मांस खाकर बलवान होता जा रहा था। एक दिन सियार ने शेर से कहा, अब तो मैं भी तुम्हारे बराबर ही बलवान हो गया हूं, इसलिए मैं आज हाथी पर वार करूंगा। जब वो मर जाएगा, तो मैं हाथी का मांस खाऊंगा। मेरे से जो मांस बच जाएगा, वो तुम खा लेना। शेर को लगा कि सियार दोस्ती में ऐसा मजाक कर रहा है, लेकिन सियार को अपनी शक्ति पर कुछ ज्यादा ही घमंड हो चला था। सियार पेड़ पर चढ़कर बैठ गया और हाथी का इंतजार करने लगा। शेर को हाथी की ताकत का अंदाजा था, इसलिए उसने सियार को बहुत समझाया, लेकिन वो नहीं माना। तभी उस पेड़ के नीचे से एक हाथी गुजरने लगा। सियार हाथी पर हमला करने के लिए उस पर कूद पड़ा, लेकिन सियार सही जगह छलांग नहीं लगा पाया और हाथी के पैरों में जा गिरा। हाथी ने जैसे ही पैर बढ़ाया वैसे ही सियार उसके पैर के नीचे कुचला गया। इस तरह सियार ने अपने दोस्त शेर की बात न मानकर बहुत बड़ी गलती की और अपने प्राण गंवा दिए।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। लाभ के मौके बार-बार प्राप्त होंगे। विवेक का प्रयोग करें। बेकार बातों में समय नष्ट न करें। निवेश शुभ रहेगा। प्रमाद न करें।

वृषभ — कोई बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। किसी विशेष क्षेत्र में सामाजिक कार्य करने की इच्छा रहेगी।

मिथुन — व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कर्क — जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

सिंह — व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। भाग्य का साथ रहेगा। सभी काम पूर्ण होंगे।

कन्या — संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश करें। संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। झंझटों से दूर रहें।

तुला — विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। व्यापार मनोनुकूल रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

वृश्चिक — प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में कमी रह सकती है। दु:खद समाचार की प्राप्ति संभव है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा।

धनु — कुंआरों को वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। प्रमाद न करें।

मकर — व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। कारोबार में मनोनुकूल लाभ होगा। प्रमाद न करें।

कुम्भ — घर-बाहर सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। बेरोजगारी दूर होगी। अचानक कहीं से लाभ के आसार नजर आ सकते हैं। मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है।

मीन — चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है। जोखिम न लें। आंखों को चोट व रोग से बचाएं। हल्की हंसी-मजाक किसी से भी न करें। नकारात्मकता रहेगी।

फिल्म 'किंग' में दो अलग फेज में दिखेगा शाहरुख खान का किरदार

बॉलीवुड | मसाला

शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' टाइटल रिवील के बाद से ही चर्चा में है। इस फिल्म को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं। फिल्म को लेकर अब एक नई जानकारी सामने आई है। फिल्म में शाहरुख के किरदार को लेकर खुलासा हुआ। इस फिल्म में शाहरुख का किरदार दो टाइमलाइन में दिखाया जाएगा। कहने का मतलब है कि एक यंग शाहरुख होगा, जिसकी जिंदगी दर्शकों को देखने को मिलेगी। फिर आगे चलकर शाहरुख का मैच्योर वर्जन दिखेगा। दोनों ही टाइमलाइन में विलेन के किरदार में अलग-अलग अभिनेता होंगे।

'किंग' के प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों से पता चला है कि मूवी में दो अलग-अलग टाइमलाइन दिखाई जाएंगी। स्टोरीलाइन के हिसाब से शाहरुख के किरदार की जिंदगी दो अलग फेज में दिखेगी। शाहरुख के यंग कैरेक्टर की भिड़त राघव जुयाल के किरदार से होगी। वहीं मैच्योर शाहरुख के किरदार को अभिषेक बच्चन से भिड़ते हुए दिखाया जाएगा।

शाहरुख खान के जन्मदिन (2 नवंबर) पर फिल्म किंग का टाइटल रिवील किया गया था। रविवार को मेकर्स ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक धांसू वीडियो शेयर किया है। शाहरुख ने अपने एक्शन अंदाज से दर्शकों को चौंका दिया। इस टाइटल रिवाल के बैकग्राउंड से किंग खान की आवाज आती है, जिसमें वह कहते हैं, कितने खून किए, याद नहीं। अच्छे लोग थे या बुरे, कभी पूछा नहीं। बस उनकी आंखों में अहसास देखा कि ये उनकी आखिरी सांस है। और मैं उसकी वजह। हजार जुर्म, सौ देशों में बदनाम। दुनिया ने दिया सिर्फ एक ही नाम किंग। डर नहीं, दहशत हूं। इट्स शो टाइम।' फैंस इस टाइटल रिवील को देखकर शाहरुख के दीवाने हो चुके हैं।

शाहरुख के साथ एक्टिंग करेंगी सुहाना खान

फिल्म 'किंग' में सुहाना खान भी हैं। वह अपने पापा शाहरुख खान के साथ इस फिल्म में एक अहम रोल निभा रही हैं। पिछले दिनों शाहरुख ने फैंस से बातचीत में कहा था कि सुहाना के साथ एक्टिंग करना अच्छा लगता है।

परेश रावल की द ताज स्टोरी ने दिखाया दम, विवादों के बावजूद की सॉलिड कमाई

सीनियर बॉलीवुड एक्टर परेश रावल की फिल्म द ताज स्टोरी शुरुआत से ही विवादों के घेरे में फंसी रही। एक वक्त तो इसकी रिलीज पर भी संशय होने लगा था। मगर द ताज स्टोरी शुक्रवार को ना सिर्फ रिलीज हुई, बल्कि ये बॉक्स ऑफिस पर सरप्राइज भी करने लगी है। परेश रावल की फिल्म वीकेंड में बॉक्स ऑफिस पर कई चर्चित फिल्मों से बेहतर परफॉरमेंस लेकर आई। इसकी ग्रोथ देखकर कई सोशल मीडिया यूजर्स को ये भी लगने लगा है कि कहीं ये अगली द कश्मीर फाइल्स तो नहीं होने वाली?!

परेश रावल की फिल्म छोटे बजट की फिल्म है और इसे तमाम बड़ी फिल्मों के बीच स्क्रीन्स भी कम मिली हैं। फिर भी इस फिल्म की बॉक्स ऑफिस परफॉरमेंस सरप्राइज कर रही है। सैकनिल्क के अनुसार, शुक्रवार को इसने 1 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया था। मगर शनिवार को इसकी कमाई ऑलमोस्ट डबल होकर, 1.9 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। अनुमान है कि रविवार को एक और तगड़े जंप के साथ इसने 2.2 करोड़ रुपये कमाए हैं। यानी वीकेंड में द ताज स्टोरी ने बॉक्स ऑफिस पर 5 करोड़ रुपये से ज्यादा कलेक्शन कर लिया है। शुक्रवार के बाद इस फिल्म का कलेक्शन जिस तरह जंप हुआ है, वैसा जंप तो थामा और एक दीवाने के दीवानियत जैसी चर्चित फिल्मों को भी नहीं मिला। जहां इस फिल्म से ट्रेड को कोई खास उम्मीद नहीं थी, वहीं अब इसका बिजनेस सरप्राइज कर रहा है। द ताज स्टोरी की कहानी ताज महल के इतिहास से जुड़े उन विवादित सवालों पर आधारित है जो पिछले कुछ समय से पॉलिटिकल नैरेटिव का हिस्सा बन चुके हैं। फिल्म का पोस्टर आते ही इसपर सवाल उठने लगे थे क्योंकि ताज महल के ऊपर भगवा झंडा दिखाया गया था। हालांकि विवाद के बाद परेश रावल ने सोशल मीडिया से ये पोस्टर हटा लिया और एक डिस्क्लेमर शेयर किया कि फिल्म किसी धार्मिक मुद्दे से डील नहीं करती।

रिलीज से पहले भारतीय जनता पार्टी के एक नेता ने फिल्म के खिलाफ हाई कोर्ट में पिटीशन दी। उनका आरोप था कि उन्होंने 2022 में हाई कोर्ट में एक पिटीशन दी थी और ये फिल्म उसी का अनधिकृत इस्तेमाल करती है। अपनी पिटीशन में इस नेता ने फिल्म पर बैन लगाने की बात भी की।

बॉलीवुड | मन की बात

गोविंदा के मराठी एक्ट्रेस संग हैं अफेयर : गोविंदा

गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा इस वक्त लाइमलाइट बटोर रही हैं। वह बीते दिनों तलाक की खबरों के कारण सुर्खियों में थीं। हालांकि कपल ने अफवाहों पर फुलस्टॉप लगाया था और बताया था कि वह साथ हैं और हमेशा रहेंगे। अब एक लेटेस्ट इंटरव्यू में सुनीता ने एक्टर के 30 साल की मराठी एक्ट्रेस के साथ कथित अफेयर के बारे में खुलकर बात की है, जिसके कारण उनके अलग होने की नौबत आ गई थी। सुनीता आहूजा ने पारस छाबड़ा के पॉडकास्ट में सभी महिलाओं को कमाने और पतियों पर डिपेंड न होने की सलाह दी है। उन्होने बताया, मुझे वाकई अच्छा लग रहा है कि व्लॉगिंग के चार महीने के अंदर ही मुझे यूट्यूब का सिल्वर बटन मिल गया। एक महिला को अपने दम पर खड़ा होना चाहिए। अपना खुद का पैसा कमाने की खुशी ही अलग होती है। आपका पति पैसा देता है, लेकिन वह 10 बार मांगने के बाद एक बार देगा। आपकी अपनी कमाई आपकी अपनी है। सुनीता ने बताया कि वह गोविंदा से एक बड़ा घर मांगना चाहती हैं। वह अभी बेटे यश और बेटी टीना के साथ 4 बेडरूम वाले घर में रह रही हैं। एक्टर उनके साथ नहीं रहते हैं, ये घर हमारे लिए छोटा है। और मैं इस पॉडकास्ट के जरिए कहना चाहती हूं कि चीची मुझे 5BHK खरीदकर दो। वरना देख लेना तुम्हारे साथ क्या होता है। इसके अलावा, सुनीता ने गोविंदा के अफेयर्स की खबरों पर भी रिएक्ट किया। उन्होंने बताया, मैंने कई बार मीडिया में कहा है कि मैंने भी ऐसा सुना है। लेकिन जब तक मैं उन्हें अपनी आंखों से देख नहीं लेती या रंगे हाथों पकड़ नहीं लेती, मैं कुछ भी नहीं कर सकती। मैंने सुना है कि कोई एक मराठी एक्ट्रेस हैं। लेकिन अभी ये सब करने की उम्र नहीं है। गोविंदा को अपनी बेटी और बेटे यश के करियर के बारे में सोचना चाहिए। लेकिन, मैंने भी अफवाहें सुनी हैं।

दुनिया का सबसे अनोखा मेंढक! मुंह के अंदर छिपाकर रखता है आंख

प्रकृति के रहस्य कभी खत्म नहीं होते। कभी समुद्र की गहराई में ऑक्टोपस मां का त्याग देखा, तो कभी घोड़े की मूर्ति की टांगों में छिपी मौत की कहानी। लेकिन अब बात एक ऐसे जीव की, जो देखने में किसी हॉरर फिल्म के किरदार जैसा लगता है। एक मेंढक (या टोड) जिसकी आंखें सिर पर नहीं, बल्कि मुंह के अंदर उगी हुई हैं! जी हां, यह कोई फोटोशॉप्ड इमेज या अफवाह नहीं, बल्कि कनाडा के ओंटारियो में खोजा गया सच्चा मामला है। वैज्ञानिकों ने इसे 'इंट्रोस्पेक्टिव फॉग' (आत्मचिंतन करने वाला मेंढक) नाम दिया, क्योंकि इसे दुनिया देखने के लिए अपना मुंह ही खोलना पड़ता है। यह जेनेटिक म्यूटेशन का दुर्लभ उदाहरण है, जो एम्ब्रायोनिक डेवलपमेंट के दौरान हुआ था। ओंटारियो प्रांत का बर्लिंगटन काउंटी में एक हाईस्कूल स्टूडेंट डीड्रे अपने घर के यार्ड में खेल रही थी। अचानक उसकी नजर एक अजीब टोड पर प?ी। वह टोड अपनी आंखें बंद करके बैठा था, जैसे सो रहा हो। डीड्रे ने उत्सुकता से उसे उठाया, लेकिन आंखें अभी भी बंद थी। लेकिन जैसे ही उसने मुंह खोला, ल?की चौंक गई! मेंढक के मुंह के अंदर, तालु (पैलेट) पर दो चमकदार आंखें उसे घूर रही थी। पहले ल?की को लगा शायद इसने कोई दूसरा मेंढक निगल लिया है। लेकिन करीब से देखा तो पाया ये आंखें उसके ही शरीर का हिस्सा थी। डीड्रे ने इसे पाल लिया और नाम रखा 'गोलम'- लॉर्ड ऑफ द रिंग्स के उस किरदार की तरह, जो अंधेरे में रहता है। डीड्रे ने लोकल न्यूज को फोन किया। हैमिल्टन स्पेक्टेटर अखबार के फोटोग्राफर स्कॉट गार्डनर को कॉल आया। गार्डनर ने सोचा, शायद मजाक किया जा रहा है लेकिन जाकर देखा तो हैरान रह गया। ब्लैक एंड व्हाइट फोटो खींची, जिसमें टोड का मुंह खुला था और आंखें अंदर से झांक रही थी। फोटो इतनी विचित्र थी कि रेडियो पर लाइव रिपोर्टिंग करनी प?ी। गार्डनर ने बताया, मैंने कभी ऐसा कुछ नहीं देखा था। यह टोड सामान्य दिखता था, लेकिन मुंह खोलते ही डरावना लगता था। वैज्ञानिकों के अनुसार, यह मैक्रोम्यूटेशन (बड़ी जेनेटिक म्यूटेशन) है। सामान्य मेंढक के एम्ब्रायो में आंखें सिर के ऊपर विकसित होती है। रेटिना लेंस को इंड्यूस करता है और आईबॉल बाहर आता है। लेकिन गोलम के केस में, डेवलपमेंट प्रोसेस बिगड़ गया होगा। प्रोफेसर जेम्स बोर्गर्ट (टोरंटो यूनिवर्सिटी) ने मामले की जांच की। उनका अनुमान था कि आंखें उल्टी दिशा में बढ़ीं, इसलिए मुंह के तले आ गई। जीन रेगुलेशन में गड़बड़ी या पर्यावरणीय फैक्टर (जैसे केमिकल पॉल्यूशन) भी इसका कारण हो सकता है। इसके अलावा पैरासाइटिक इंटरफेरेंस भी संभव है लेकिन साइड बाय साइड सिमेट्री से लगता है कि यह जन्मजात है।

अजब-गजब | ये है दिल्ली में अविवाहितों का ऐतिहासिक किला

यहां शादियां हैं बैन, वजह ऐसी कि हैरान रह जाओगे

दिल्ली में एक ऐसी जगह है। जो बेहद ही ऐतिहासिक है। यहां पर रहने वाले लोग कभी शादी नहीं करते हैं। यहां लोगों का अविवाहित रहना ही नियम है। और तो और यहां पर रहने वाले लोग अपनी जिंदगी सामाजिक कार्यों और देश के लिए समर्पित कर देते हैं। जब आप यहां पर जाएंगे, तो आपको ऐसा लगेगा कि आप विदेश आ गए हैं। क्योंकि यहां का वातावरण और पूरा माहौल दिल्ली के शोर-शराबे और प्रदूषण से बहुत अलग है।

यहां बड़े-बड़े पत्थरों से इस इमारत को तैयार किया गया है। ये पत्थर अब भारत के किसी कोने में नहीं मिलते हैं। लोकल 18 की टीम जब यहां पहुंची, तो देखा बाहर लिखा था ब्रदरहुड सोसाइटी। जहां पर तगड़ी चेकिंग लगी हुई थी। इसके बाद जब अंदर गए, तो मुलाकात हुई शिक्षाविद् ब्रदर सोलोमन जॉर्ज से, जिन्होंने यहां का पूरा दिलचस्प इतिहास बताया और यह भी बताया कि आखिर शादी न करने के पीछे की क्या वजह है। शिक्षाविद् ब्रदर सोलोमन जॉर्ज ने बताया कि कैम्ब्रिज मिशन इस सोसाइटी का पुराना नाम है। आजादी के बाद इसका नाम दिल्ली ब्रदरहुड सोसाइटी कर दिया गया था। पहले यह कपड़ों वाले बाजार में हुआ करती थी, लेकिन 1925 में यहां के पहले जो प्रभारी थे। उनका नाम था जेएफ वेस्टर्न था। उन्होंने डेढ़ एकड़ की जमीन देखी और इसे 1925 में ही तैयार कराया। इसीलिए यहां का स्ट्रक्चर और पत्थर बेहद अनोखे हैं और ऐसा स्ट्रक्चर और पत्थर अब देश के किसी भी कोने में आपको नहीं मिलेगा।

आजादी के बाद इंडियन फादर आए। उन्होंने इसका नाम बदला और यह सोसाइटी पूरी तरह से देश और समाज के लिए समर्पित है। यहां पर विदेशी फादर कोई भी नहीं है। कैम्ब्रिज ब्रदरहुड ने 1881 में सेंट स्टीफन कॉलेज की स्थापना दिल्ली में की थी। इसके अलावा इस सोसाइटी का सेंट स्टीफन अस्पताल और स्कूल भी है। इस सोसाइटी के पहले सदस्य सीएफ एंड्रयूज थे। जो कि महात्मा गांधी और रवींद्रनाथ के घनिष्ठ मित्र थे। यहां पर महामहिम महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने 1997 में दिल्ली ब्रदरहुड सोसाइटी का दौरा किया था।

शिक्षाविद् ब्रदर सोलोमन जॉर्ज ने बताया कि इस सोसाइटी का नियम है कि जो भी इसमें प्रमुख फादर हैं। वो शादी नहीं कर सकते। उन्हें अपना जीवन गरीबों और वंचितों की मदद करने के साथ ही ईश्वर के लिए समर्पित करना होता है। उन्हें समाज को शिक्षित करना होता है। सामाजिक कार्यों में अपना योगदान देना होता है। यहां के शास्त्रों और जो नियम की किताबें हैं। उनमें लिखा है कि यहां के फादर कभी शादी नहीं कर सकते।

यदि ऐसा कोई करता है, तो उसे बेदखल कर देते हैं। इसीलिए इसमें वही लोग आते हैं, जो पूरी तरह से यह तय कर चुके होते हैं कि उन्हें शादी नहीं करनी है। उन्होंने बताया कि जैसे हिंदू धर्म में एक तरह से संन्यास ले लेते हैं। वैसे ही इसमें भी आने वाले फादर अपने जीवन को समाज के लिए समर्पित कर देते हैं।

शिक्षाविद् ब्रदर सोलोमन जॉर्ज ने बताया कि वर्तमान में यहां पर चार फादर हैं और कर्मचारी हैं। यहां की लाइब्रेरी में 26000 किताबें हैं। सभी धर्म की किताबें हैं। सभी धर्म का ज्ञान इसमें रहने वाले फादर को होना चाहिए। यही ये सोसाइटी मानती है। यहां पर प्रार्थना घर और मेस है। जहां पर सभी खाना खाते हैं। यहां पर कड़े नियमों को फॉलो किया जाता है। जैसे रात 8:00 बजे खाना हर हाल में खाना होता है। उन्होंने यह भी बताया कि वह खुद 1998 से इस संस्थान में जुड़े हुए हैं। आज इस संस्थान के कॉलेज, स्कूल और अस्पताल के जरिए लाखों लोगों को फायदा हो रहा है।

एनडीए ने बिहार को किया बदहाल : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष बोले- जनता देगी करारा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एनडीए पर तीखा हमला बोला और उन पर बिहार को बदहाल बनाने, शिक्षा को बर्बाद करने, रोज़गार की उपेक्षा करने और एक करोड़ नौकरियों के झूठे वादों से जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। बिहार में कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, उन्होंने स्कूलों को बर्बाद कर दिया है। हमारे पास शिक्षक नहीं हैं, और आज पूरे देश में कोई नौकरी नहीं है। विश्वविद्यालयों, पुलिस, केंद्रीय पुलिस, रेलवे और भारत सरकार में 50 लाख नौकरियां खाली हैं। वे भर्ती नहीं कर रहे हैं, और यहां वे एक करोड़ नौकरियों की बात कर रहे हैं। बिहार के मतदाताओं की प्रशंसा करते हुए खरगे ने कहा, इसलिए इस बार जनता ऐसे झूठों को सबक सिखाएगी।

बिहार राजनीतिक रूप से जागरूक राज्य है। यहां गरीबी और बेरोजगारी भले ही हो, लेकिन राजनीतिक रूप से हर कोई बहुत समझदार है। उन्हें पता है कि कब वोट देना है, कैसे वोट देना है और किसे वोट देना है। इससे पहले, आज राजा पाकर में एक जनसभा में खरगे ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा और उनके लंबे कार्यकाल और प्रभावशीलता पर सवाल उठाए। खरगे ने कहा, आप 20 साल में जंगल राज खत्म नहीं कर पाए? आपकी तमाम गालियों के बावजूद, कांग्रेस और राजद यहां से चुनाव जीत रहे हैं। नीतीश अपने 20 साल के शासन में जो नहीं कर पाए, क्या अब करेंगे? खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री किसी भी कीमत पर नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाएंगे। वह अपने किसी चेले को लाकर कुर्सी पर बिठा देंगे। कहेंगे, तुम्हारा काम हो गया, तुम्हारी तबीयत ठीक नहीं है, तुम घर पर रहो।

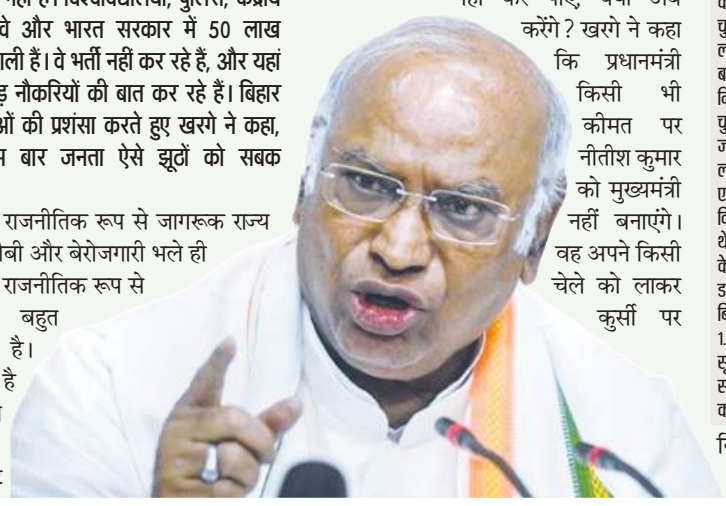

डबल इंजन हर मोर्चे पर फेल: पायलट

कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर आरोप लगाया कि नीतीश को राज्य की जनता से ज्यादा अपनी सत्ता और कुर्सी से प्यार है, जिसकी वजह से वह बीजेपी के सामने बेबस हो चुके हैं। पायलट ने लोकसभा चुनाव के नतीजों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने लोकसभा चुनाव में 400 पार का दावा किया था, लेकिन 250 सीटें भी नहीं ला पाई। पायलट ने तंज कसते हुए कहा कि केंद्र में सरकार बनाने के लिए बीजेपी को बिहार और आंध्र प्रदेश की बैसाखियों पर निर्भर रहना पड़ा। उन्होंने भरोसा जताया कि बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद, बीजेपी की यह बैसाखियां छीन ली जाएंगी। पायलट ने नीतीश पर अपना रुख बदलने का आरोप लगाया। उन्होंने याद दिलाया कि नीतीश वही व्यक्ति हैं जिन्होंने एक समय पीएम मोदी द्वारा डीएनए पर सवाल उठाए जाने के विरोध में सैकड़ों बिहारवासियों के काटे हुए नाखून कूरियर से भेजे थे। पायलट ने कहा कि अब कुर्सी से मोह के कारण वह भाजपा के सामने बेबस और असहाय हो चुके हैं। पायलट ने कहा, यह डबल इंजन हर मोर्चे पर फेल हो गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री के बिहार रोड शो पर सवाल उठाते हुए पूछा कि मोदी जी बताएं, उन्होंने 1.25 लाख करोड़ रुपए के विशेष पैकेज, निवेश और रोजगार सृजन के कितने वादे पूरे किए? पायलट ने कहा कि पीएम जिन सड़कों से गुजरेंगे, उन्हीं सड़कों पर बेरोजगारी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठियां बरसाई गई थीं।

प्रदूषण के बहाने भाजपा दिल्ली वालों को लूट रही : प्रवीण कुमार

» आप ने भाजपा को घेरा, बोली- पार्किंग शुल्क किया दोगुना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर प्रदूषण की आपदा में अवसर तलाशने का आरोप लगाया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रवीण कुमार ने कहा कि भाजपा शासित एनडीएमसी ने कनॉट प्लेस जैसे इलाकों में पार्किंग शुल्क 20 से बढ़ाकर 40 रुपये प्रति घंटा कर दिया, जिससे जनता की जेब पर भारी बोझ पड़ा है, लेकिन प्रदूषण में कोई कमी नहीं आई। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को दिल्लीवासियों की सांसों की नहीं, बल्कि ठेकेदारों की जेब भरने की चिंता है। प्रवीण कुमार ने बताया कि शुल्क बढ़ने के बाद लोग सड़क किनारे गाड़ियां खड़ी करने लगे हैं, जिससे ट्रैफिक जाम और प्रदूषण दोनों बढ़ रहे हैं। उन्होंने खुलासा किया कि एमसीडी की 400 पार्किंग साइटों पर भी यही नीति लागू करने की तैयारी है।

आप पार्टी ने इस फैसले को काला फरमान बताते हुए तत्काल वापस लेने की मांग की। वहीं प्रीति डोगरा ने कहा कि दिल्ली की हवा अब धुंध नहीं, मौत के बादल बन चुकी है। भाजपा की चार इंजन सरकार सफाई, प्रदूषण और शिक्षा सहित हर मोर्चे पर नाकाम रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा जनता की जेब काट रही है, जबकि बच्चों और बुजुर्गों की सांसें दांव पर लगी हैं।

प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों और औद्योगिक इकाइयों पर होगी कार्रवाई : रेखा

राजधानी में बढ़ते प्रदूषण पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों और औद्योगिक इकाइयों पर कड़ी कार्रवाई होगी। बैठक में रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली को प्रदूषण से मुक्त रखना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस दिशा में सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। इस दौरान पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, विकास मंत्री कपिल मिश्रा, समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह, मुख्य सचिव राजीव वर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कश्मीर को बांटने की चाहत रखने वाले नाकाम रहे : फारूक

» पूर्व सीएम ने भाजपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि ''जम्मू कश्मीर को बांटने की चाहत रखने वाले नाकाम रहे हैं। अब्दुल्ला ने कार्यालयों के फिर से खुलने के अवसर पर पत्रकारों से कहा कि केंद्र शासित प्रदेश एकजुट है और इसे सामूहिक रूप से विकास की ओर बढ़ना चाहिए।'जम्मू कश्मीर को अलग करने की चाहत रखने वाले आज विफल हो गए हैं। 'उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश के सभी हिस्से 'एक' हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने वालों को 'राजनीति छोड़ देनी चाहिए' और इसके बजाय लोगों के कल्याण एवं केंद्र शासित प्रदेश के विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू भी प्रगति करेगा और उम्मीद जताई कि सचिवालय के आने से उसे 'अधिक से अधिक लाभ' मिलेगा। उन्होंने कहा, इस (पूर्ववर्ती) राज्य को फिर से उठ खड़ा होना होगा। यह युद्धों सहित कई विनाशों से उबर चुका है तथा हमें मिलकर इसका पुनर्निर्माण करना होगा और इसे विकास की ओर ले जाना होगा। अब्दुल्ला ने इस कदम का स्वागत करने के लिए 'चैंबर ऑफ कॉमर्स' और लोगों को बधाई दी। मैं जम्मू के हर उस शख्स का आभार व्यक्त करता हूं जिसने इस कदम का समर्थन किया।'

अमरिंदर वडिंग के बयान पर घमासान

» विपक्ष ने कहा- पूर्व केंद्रीय मंत्री बूटा सिंह का किया अपमान

» कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ने बिना शर्त मांगी माफी, कहा- वो पिता समान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने पूर्व केंद्रीय मंत्री दिवंगत बूटा सिंह के खिलाफ की गई कथित टिप्पणी को लेकर बिना शर्त माफी मांग ली है। वडिंग ने कहा कि उनका किसी का अपमान करने का इरादा नहीं था, अगर किसी को उनकी बात से ठेस पहुंची है तो वे दिल से माफी मांगते हैं। दरअसल, तरनतारन विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार के समर्थन में प्रचार करते हुए राजा वडिंग ने एक बयान दिया था, जो दिवंगत बूटा सिंह से जुड़ा हुआ था।

बढ़ते विवाद के बाद पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग ने इस मामले का स्वत: संज्ञान लिया और राजा वडिंग को 6 नवंबर को आयोग के सामने पेश होने के लिए नोटिस भेज दिया। आयोग ने कहा कि यह मामला संवेदनशील है और इसकी पूरी जांच की जाएगी। आयोग की कार्रवाई और बढ़ते विरोध के बीच वडिंग ने तुरंत सफाई देते हुए कहा कि बूटा सिंह उनके लिए पिता समान थे और उन्होंने हमेशा उनका आदर किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर बयान जारी कर कहा, मैं पुन: यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि मेरा किसी भी तरह से स्वर्गीय सरदार बूटा सिंह जी या किसी अन्य व्यक्ति का अनादर करने का इरादा नहीं था. यदि मेरी किसी बात से किसी को ठेस पहुंची है, तो मैं बिना शर्त माफी मांगता हूं।

आप व भाजपा ने घेरा

उनकी टिप्पणी पर विरोधी दलों आम आदमी पार्टी, भाजपा और कुछ दलित संगठनों ने कड़ी आपत्ति जताई। उनका कहना था कि वडिंग का बयान न केवल अपमानजनक है, बल्कि दिवंगत नेता की गरिमा को ठेस पहुंचाता है। इस बयान के बावजूद सियासी हलकों में बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा. पंजाब के वित्त मंत्री और आप नेता हरपाल सिंह चीमा, भाजपा नेता तरुण चुघ और विजय सांपला ने वडिंग की टिप्पणी की निंदा की है। उनका कहना है कि कांग्रेस नेताओं को इस तरह की भाषा से बचना चाहिए और दिवंगत नेताओं के प्रति सम्मान बनाए रखना चाहिए।

दिसंबर में होगी लखनऊ मीडिया प्रीमियर लीग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एलएसजेए के तत्वावधान में पत्रकारों की खेल प्रतिभा को मंच देने के लिए इस वर्ष एसबीआई लखनऊ मीडिया प्रीमियर लीग 2025 का आयोजन किया जाएगा। यह लीग आगामी 13 से 19 दिसंबर तक चलेगी और शहर के पत्रकारों के बीच खेल को बढ़ावा देने का एक अनूठा अवसर प्रदान करेगी। लीग आयोजन से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय एलएसजेए की बैठक में लिए गए।

बैठक में एसोसिएशन के अध्यक्ष धर्मेंद्र पांडेय, सचिव एसएम अरशद, आयोजन सचिव दिव्य नौंटियाल, संयोजक विक्रम श्रीवास्तव सहित अन्य सदस्य मौजूद थे। बैठक में लीग की तारीख, टीमों के चयन और मैचों के आयोजन स्थल पर चर्चा हुई। आयोजन सचिव दिव्य नौंटियाल ने बताया कि लीग में 11 टीमों को आमंत्रित किया गया है, जिनमें से 9 टीमों को प्रवेश मिलेगा। लीग के सभी मैच केडी सिंह बाबू स्टेडियम और चौक स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे।

ऑलराउंडर्स ने लिखी भारत की विश्वकप जीत की इबारत

» 1983 और 2011 के बाद 2025 में हरफनमौला का कमाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नवी मुंबई। भारतीय महिला टीम ने वनडे विश्वकप का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। हरमनप्रीत कौर की सेना न सिर्फ विजेता बनीं बल्कि उन्होंने उन आलोचकों के भी मुंह भी बंद करा दिए जिन्हें महिलाओं के क्रिकेट खेलने पर आपत्ति होती थी। इसी के साथ अब भारत के नाम तीन आईसीसी वनडे विश्वकप खिताब दर्ज हो गए हैं, जिनमें दो पुरुष टीम ने जीते हैं और एक महिला टीम ने अपने नाम किया है। दिलचस्प बात यह है कि भारत ने जब-जब वनडे विश्वकप का खिताब जीता है, उसकी इबारत ऑलराउंडर ने ही लिखी है।

1983 में कपिल देव के नेतृत्व में इंडिया ने वेस्टइंडीज को 43 रनों से हराकर इतिहास रचा था। इस मुकाबले में भारत की जीत के हीरो दिग्गज ऑलराउंडर मोहिंदर अमरनाथ थे। उन्होंने फाइनल में 26 रन बनाए और गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट झटके थे। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था। फिर 2011 में भारत ने श्रीलंका को फाइनल में छह विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया था। इस विश्वकप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह ने जीता था। उन्होंने विश्वकप में 362 रन बनाए और 15 विकेट चटकाए थे। खिताबी मुकाबले में युवी ने दो विकेट झटके और 21 रनों की नाबाद पारी खेली थी। और अब टीम इंडिया ने महिला वनडे विश्व कप 2025 के फाइनल में द. अफ्रीका को 52 रन से हरा दिया। दिलचस्प बात ये है कि एक बार फिर भारत की खिताबी जीत में ऑलराउंडर ही प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहीं। दीसि शर्मा ने पूरे विश्वकप में 215 रन बनाए और 22 विकेट चटकाए।

2025 ने क्रिकेट को दिए नए चैंपियन्स

मुंबई। साल 2025 क्रिकेट की दुनिया में उस रीसेट बटन की तरह रहा, जिसने कई टीमों की किस्मत पलट दी। लंबे इंतजार और अधूरे सपनों के सिलसिले को खत्म करते हुए इस साल चार अलग-अलग टूर्नामेंट्स में नए चैंपियन्स उभरे। बिग बैश लीग में हॉबर्ट हरिकेन्स, आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में दक्षिण अफ्रीका और महिला वनडे विश्व कप में भारतीय टीम ने इतिहास रच दिया और पहली बार खिताब जीता। यह वो साल रहा जब मेहनत, उम्मीद और इतिहास, सबने मिलकर नए चैंपियन्स का अध्याय लिखा। आईपीएल में बेंगलुरु ने रजत पाटीदार की कप्तानी में टीम को पहला आईपीएल खिताब दिलाया। वहीं 'चोकर्स' कहे जाने वाली अफ्रीका टीम ने आस्ट्रेलिया को हराकर पहली बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल या यूं कहें पहला आईसीसी खिताब जीता। और फिर हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर विश्वकप जीता।

एसआईआर पर नहीं थम रहा सियासी सिरदर्द

पूरे देश में चुनाव आयोग का विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू

» टीमएमसी, डीएमके ने ठोंकी ईसी के खिलाफ ताल

» बीएलओ के लिए पुख्ता सुरक्षा की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के फैसले को लेकर पूरे देश में सियासत गरमा गई है। सबसे ज्यादा इसको लेकर बयान बाजी गैर एनडीए शासित राज्यों में है। तमिलनाडु से लेकर पश्चिम बंगाल में भाजपा व चुनाव आयोग परवार-पलटवार आरंभ हो गया है। बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एसआईआर प्रक्रिया का खुलकर विरोध किया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने के घोषणा के मद्देनजर उसने आपत्ति दर्ज कराने के लिए मंगलवार (4 नवंबर) को कोलकाता में एक विशाल विरोध मार्च का आयोजन किया। इसमें टीएमसी के लाखों लोगों ने भाग लिया।

उधर तमिलनाडु के डीएमके सरकार ने इसे खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी कर ली है। चुनाव आयोग ने हाल ही में घोषणा की है कि विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया का दूसरा चरण पश्चिम बंगाल सहित उन 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चलाया जाएगा, जहां अगले साल चुनाव होने हैं। एसआईआर प्रक्रिया 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक चलेगी। मतदाता सूची का मसौदा 9 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा और अंतिम सूची 7 फरवरी को जारी की जाएगी। बीएलओ और अन्य अधिकारियों को बिना किसी डर के मंगलवार से घर-घर जाकर सर्वेक्षण करने और इस प्रक्रिया को पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा, ''सीईओ ने सभी जिलाधिकारियों के साथवर्चुअल बैठक की और कल एसआईआर की औपचारिक शुरुआत होने से पहले ज़रूरी निर्देश एक अधिकारी ने कहा, ''घर-घर जाकर विवरण जुटाने का कार्य चार नवंबर से चार दिसंबर तक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 2002 में किये गए एसआईआर के आधार पर लोगों के विवरण का सत्यापन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मतदाता इसके लिए फॉर्म ऑनलाइन भी भर सकते हैं।

एसआईआर मताधिकार पर सीधा हमला: स्टालिन

चेन्नई। डीएमके नेता एमके स्टालिन की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दूसरे चरण को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का प्रस्ताव पारित किया गया। स्टालिन ने इस प्रक्रिया को लोगों के मताधिकार को छीनने और लोकतंत्र की हत्या करने का प्रयास बताया, विशेषतः जब चुनाव आयोग ने उनकी पर्याप्त समय वाली मांगों को स्वीकार नहीं किया। यह निर्णय तमिलनाडु सहित 12 राज्यों को प्रभावित करेगा, जिसका उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया में मनमानी पर अंकुश लगाना है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके नेता एमके स्टालिन द्वारा रविवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में तमिलनाडु सहित 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दूसरे चरण के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने का फैसला किया गया। एक पोस्ट साझा करते हुए, एमके स्टालिन ने इस प्रस्ताव की घोषणा की और आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया के पीछे का उद्देश्य लोगों के मताधिकार को छीनना है। उन्होंने लिखा कि तमिलनाडु के लोगों के मताधिकार को छीनने और लोकतंत्र की हत्या करने के इरादे से जल्दबाजी में लागू किए जा रहे एसआईआर के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाना सभी दलों का कर्तव्य है। डीएमके प्रवक्ता टीकेएस एलंगोवन ने कहा, अदालत को अपना अंतिम आदेश जारी करने दीजिए। उसके बाद, वे एसआईआर पर आगे बढ़ सकते हैं। हम यही चाहते थे, और यही प्रस्ताव है। प्रस्ताव का उद्देश्य यह है कि चुनाव आयुक्त एसआईआर में अपनी मनमानी न करें।

बंगाल से लेकर तमिलनाडु तक बवाल

एनआरसी लागू करने की कवायद : आरएस भारती

डीएमके नेता आरएस भारती ने एसआईआर को अप्रत्यक्ष रूप से राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करने की कवायद बताया। उन्होंने कहा, हम इसका विरोध इसलिए कर रहे हैं क्योंकि इसे किसी छिपे हुए इरादे से लागू किया जा रहा है। यह एसआईआर नहीं है। यह अप्रत्यक्ष रूप से एनआरसी में शामिल होने जैसा है। हम सुप्रीम कोर्ट जा रहे हैं। बैठक में शामिल न होने वाले दलों पर निशाना साधते हुए भारती ने उन्हें भाजपा का गठबंधन बताया। उन्होंने कहा,हमें उनकी परवाह नहीं है। वे सभी भाजपा गठबंधन में हैं। इसलिए वे नहीं आए।

वंशवादी राजनीति पर थरूर के बयान पर हंगामा

» कांग्रेस ने किया प्रहार, भाजपा ने भी किया वार

» भाजपा ने कसा तंज, थरूर का किया समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर द्वारा वंशवादी राजनीति को लेकर की गई टिप्पणी पर हंगामा हो गया है। कांग्रेस पार्टी जहां बचाव की मुद्रा में है, वहीं भाजपा को बैठे बिठाए एक मुद्दा मिल गया है और राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधने का मौका मिल गया है। दरअसल एक लेख में शशि थरूर ने भारत की वंशवादी राजनीति की आलोचना की। इस लेख का शीर्षक इंडियन पॉलिटिक्स आर ए फैमिली बिजनेस (भारत राजनीति एक पारिवारिक व्यापार है)। थरूर ने नेहरू-गांधी परिवार का नाम लेकर वंशवादी राजनीति का आरोप लगाया। अब इस पर कांग्रेस के नेताओं की प्रतिक्रियाएं भी आ रही हैं।

कांग्रेस सांसद

देश में किस अन्य परिवार ने ऐसा बलिदान दिया : प्रमोद तिवारी

प्रमोद तिवारी ने शशि थरूर द्वारा गांधी परिवार पर लगाए गए आरोपों पर कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू इस देश के सबसे सक्षम प्रधानमंत्री थे। इंदिरा गांधी ने अपना जीवन बलिदान करके खुद को साबित किया। राजीव गांधी ने भी बलिदान देकर देश सेवा की। ऐसे में अगर कोई गांधी परिवार के वंशवाद की बात करता है तो फिर देश में किस अन्य परिवार ने ऐसा बलिदान, समर्पण और क्षमता दिखाई है। क्या वो भाजपा है?

शाह भी वंशवादी राजनीति को बढ़ा रहे : उदितराज

कांग्रेस नेता उदित राज ने गांधी परिवार की वंशवादी राजनीति का बचाव करते हुए कहा कि एक डॉक्टर का बेटा डॉक्टर बनता है और बिजनेसमैन का बेटा बिजनेसमैन। राजनीति भी अपवाद नहीं है। अगर एक राजनेता का आपराधिक इतिहास है तो ये हमारे समाज की सच्चाई को दिखाता है। चुनाव टिकट जाति और परिवार के आधार पर बांटे जाते हैं। उदित राज ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बंगाल की सीएम ममता बनर्जी पर भी वंशवादी राजनीति को बढ़ाने का आरोप लगाया।

फर्स्ट फैमिली बदला जरूर लेती है : शहजाद

केंद्र की सत्ताधारी पार्टी भाजपा ने थरूर के बयान को लेकर कांग्रेस पर तंज कसा है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद जयहिंद ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि शशि थरूर ने भारत के नेपो किड राहुल गांधी और छोटे नेपो किड तेजस्वी यादव पर सीधा हमला बोला है। शहजाद ने लिखा कि डॉ. थरूर खतरों के खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने नेपो किड या वंशवाद के नवाब पर सीधा हमला बोला है। जब मैंने नेपो नामदार राहुल गांधी के खिलाफ 2017 में बोला तो आप जानते हैं कि मेरे साथ क्या हुआ। सर आपके लिए प्रार्थना कर रहा हूं। फर्स्ट फैमिली बदला जरूर लेती है।

केंद्र सरकार को लगी सुप्रीम फटकार

» ट्रिब्यूनल सुधार अधिनियम की याचिका की खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को कड़ी फटकार लगाते हुए उसकी उस याचिका को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें सरकार ने ट्रिब्यूनल सुधार अधिनियम की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ को सौंपने की मांग की थी। हम बता दें कि केंद्र की ओर से यह मांग सुनवाई के दौरान अचानक रखी गई थी जब याचिकाकर्ताओं की बहस पूरी हो चुकी थी। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने तीखा रुख अपनाते हुए कहा, हमें भारत सरकार से ऐसी चालबाज़ी की उम्मीद नहीं थी।

अदालत के साथ इस तरह का खेल अस्वीकार्य है। गवई, जो बीस दिनों में सेवानिवृत्त होने वाले हैं, उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का यह रवैया यह दर्शाता है कि वह मेरी पीठ के समक्ष सुनवाई से बचना चाहती है। पीठ ने कहा, हमने याचिकाकर्ताओं की ओर से सभी तर्कों को विस्तार से सुना। अटॉर्नी जनरल ने एक बार भी यह नहीं बताया कि केंद्र सरकार इस मामले को पांच न्यायाधीशों की पीठ को सौंपना चाहती है। अब, जब बहस पूरी हो चुकी है, तो यह याचिका केवल देरी की रणनीति प्रतीत होती है वहीं, केंद्र सरकार की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि ने सफाई दी कि सरकार का कोई अनुचित इरादा नहीं था।

आधी रात को दाखिल यह आवेदन न्यायिक प्रक्रिया के साथ खिलवाड़ : गवई

न्यायमूर्ति गवई ने कठोर टिप्पणी की कि आधी रात को दाखिल यह आवेदन न्यायिक प्रक्रि या के साथ खिलवाड़ है। हमने याचिकाकर्ताओं की बहस पूरी सुन ली है, अब सरकार इस आधार पर सुनवाई को टाल नहीं सकती। हालांकि पीठ ने स्पष्ट किया कि यदि उसे लगता है कि मामला संविधान की गंभीर व्याख्या से जुड़ा है, तो वह स्वयं इसे पांच न्यायाधीशों की पीठ के पास भेज सकती है। फिलहाल, अदालत ने आगे की सुनवाई 7 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी है।

टला बड़ा हादसा, एयर इंडिया में सवार 172 यात्री बाल-बाल बचे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। दिल्ली से बेंगलुरु जा रहे एअर इंडिया के एक विमान को तकनीकी खराबी के कारण आपात स्थिति में भोपाल के राजा भोज हवाई अड्डे पर उतारा गया। हवाई अड्डे के अधिकारी ने बताया कि विमान के 'कार्गो होल्ड' में खतरे की चेतावनी मिलने के बाद उड़ान (एआईसी 2487, ए320 नियो, वीटी-ईएक्सओ) को भोपाल हवाई अड्डे की ओर मोड़ दिया गया।

उमानक सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन करते हुए भारतीय समयानुसार रात सात बजकर 33 मिनट पर बजे पूर्ण आपात स्थिति घोषित कर दी गई। कुछ ही मिनटों बाद, चालक दल ने पुष्टि की कि खतरा टल गया है और सभी विमान प्रणालियां सामान्य हैं। विमान में 172 यात्री सवार थे और यह विमान रात आठ बजे सुरक्षित उतर गया।

नगर आयुक्त के बदलते तेवरों से नगर निगम में मचा हड़कंप

» स्मार्ट सिटी दफ्तर में हुई एक विशेष बैठक, बंद कमरे में हुए तबादले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम में मंगलवार को अचानक माहौल तब गर्म हो गया जब नगर आयुक्त गौरव कुमार ने स्मार्ट सिटी दफ्तर में एक विशेष बैठक बुलाई। मीटिंग में मौजूद किसी अधिकारी को अंदाज़ा भी नहीं था कि यह बैठक तबादलों की सूची लेकर आने वाली है। सूत्रों के मुताबिक, बैठक के दौरान ही नगर आयुक्त ने सभी राजस्व निरीक्षकों, जोनल अधिकारियों और जोनल सैनेट्री ऑफिसरों के तबादले कर दिए। बंद दरवाजों के अंदर ही ट्रांसफर ऑर्डर सौंपे गए और तत्काल प्रभाव से उसी कमरे में ज्वाइनिंग भी करा ली गई।

मीटिंग खत्म होते ही निर्देश दिया गया कि स्मार्ट सिटी से निकलते ही सीधे अपने नए जोन पर पहुंचो। इतना ही नहीं, नगर आयुक्त ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि किसी ने सिफारिश कराने की कोशिश की तो परिणाम अच्छे नहीं होंगे। इस अल्टिमेटम के बाद किसी अधिकारी की हिम्मत नहीं हुई कि वह जाकर अपना दर्द बयां करे। बताया जा रहा है कि कुछ टैक्स सुपरिटेंडेंट, जो अब तक जोनल पद पर कार्यरत थे, उन्हें भी हटा दिया गया और उनकी जगह पीसीएस अधिकारियों को नियुक्त किया गया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।